6

हिंदी रत्न

उत्तर–पुस्तिका

BLUE SKY
BOOKS INTERNATIONAL
2647, Roshan Pura, Nai Sarak,Delhi-110006
Phone : 98994 23454, 98995 63454
E-mail : blueskybooks@gmail.com

हिंदी रत्न-6

1 भारत गीत

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. भारत को विश्व का मुकुट कहा गया है।
2. भारत को पृथ्वी का स्वर्गिक शीश फूल कहा गया है।
3. पुण्य का प्रवेश केवल भारत में है।
4. गंगा नदी का कलरव निरंतर सुनाई देता है।
5. सूर्य के प्रताप का हमारे देश पर चमत्कृत प्रभाव पड़ रहा है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. विश्व का सौभाग्य यह है कि भारत पूरे विश्व का मुकुट है।
2. कवि ने प्रकृति को नटी कहा है।
3. कवि ने भारत देश में पाप के प्रवेश को असंभव कहा है।
4. कवि जग के कोटि-कोटि युग जीने की बात कह रहा है।
5. कवि ने कविता की अंतिम पंक्तियों में भारत के स्वतंत्र रहने की कामना की है।

ख. 1. भारत को 2. टीका 3. रात में चाँद 4. गंगा

ग. इन पंक्तियों द्वारा कवि यह कहना चाहता है कि धरती माँ मुझे एक मौका दो, तुम्हारा कर्ज़ चुकाने का। अपने इस बेटे से जो तुम माँगो अपना सर काट कर समर्पित कर देगा। यह क्रांतिकारी मातृभूमि भारत माता का भक्त है। जय-जय प्यारा भारत-देश।

भाषा ज्ञान

क. जब मैं घोंसले में रहती थी जिसका आकार एक अंडे जैसा था, मैं यही समझती थी, कि बस इतना-सा ही संसार है।

ख.

1.	सौभाग्य	–	दुर्भाग्य	2.	प्रिय	–	अप्रिय
3.	संभव	–	असंभव	4.	स्वतंत्र	–	परतंत्र
5.	जीवन	–	मरण	6.	जय	–	पराजय

ग.

1.	जगदीश	–	परमात्मा	प्रभु	2.	पृथ्वी	–	जग	धरा
3.	निशि	–	रात	रात्रि	4.	राकेश	–	हिमांशु	रजनीश
5.	भानु	–	सूर्य	रवि					

घ. स्वयं करें।

ङ.

1. जो पढ़ाता हो
2. माह में एक बार होने वाला
3. जहाँ पुस्तकें रखी जाती हैं
4. जो सब पर दया करता हो
5. दूसरों पर उपकार करने वाला

रचनात्मक ज्ञान

क. 1. जगत-मुकुट 2. जगत-सौभाग्य 3. प्यारा 4. पुंज तपवेश

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

2 आज़ादी

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. आवारा कुत्ता गाँव में रहता था।
2. आवारा कुत्ता लोगों की जूठन खाता था।
3. भोजन खाकर आवारा कुत्ता मस्त होकर इधर-उधर घूमता रहा।
4. आवारा कुत्ता लंबी सैर पर गाँव से कुछ मील दूर चलकर एक शहर में चला गया।
5. आवारा कुत्ते ने कोठी में खुला बरामदा, उसके आगे हरी-हरी घास देखी। उसने कोठी के अंदर एक साफ़-सुथरा और बलशाली कुत्ता भी देखा।
6. शहरी कुत्ते ने आवारा कुत्ते को घृणा से देखा क्योंकि वह बहुत ही मैला-कुचैला था।
7. शहरी कुत्ते को मालिक का उसे चेन से बाँधने वाली बात से कोई हर्ज़ नहीं था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. आवारा कुत्ते को जहाँ जगह मिलती थी, वहीं सो जाता था।
2. पेट भरकर खाना न मिलने के कारण आवारा कुत्ते की बुरी हालत हो गई थी।
3. आवारा कुत्ता अपने जीवन जीने के तरीके से खुश था।
4. आवारा कुत्ते ने शहर में जाकर मोटर-गाड़ियाँ देखी। तरह-तरह की रोशनियाँ उसे देखने को मिलीं और अच्छे-अच्छे कपड़ो में मनुष्यों को देखकर उसकी आँखें खुली-की-खुली रह गईं। इधर-उधर घूमने पर उसे अच्छे-अच्छे होटलों के बाहर खाने के लिए बहुत-सा माल भी मिल गया।
5. शहरी कुत्ते ने आवारा कुत्ते से अपने जीवन जीने के बारे में बात की।
6. शहरी कुत्ते को रहने के लिए साफ़-सुथरी जगह तथा खाने को अच्छे भोजन जैसी सुविधाएँ प्राप्त थीं।
7. शहरी कुत्ते ने आवारा कुत्ते को बताया, कि उसे गेट पर पहरा देना होगा। यदि कोई अपरिचित आए, तो उस पर भौंकना होगा। यदि कोई भिखारी आए, तो उस पर ऐसे झपटना होगा, कि वह दोबारा आने की हिम्मत न करे।
8. आवारा कुत्ता शहरी आराम को छोड़कर वापस चला गया, क्योंकि उसे अपने मालिक के अधीन रहना पंसद नहीं था। वह स्वतंत्र जीवन जीना चाहता था।

ख. 1. दोनों 2. झोपड़ियाँ 3. अपरिचितों पर भौंकना 4. परतंत्रता

ग. 1. इधर-उधर 2. आनंद 3. कुत्ता 4. मालिक
5. करना 6. गर्दन 7. स्वतंत्र

भाषा ज्ञान

क.

1.	सनतूष्ट	–	संतुष्ट	2.	बिशय	–	विषय
3.	रोसनी	–	रोशनी	4.	सममान	–	सम्मान
5.	शिफारिस	–	सिफ़ारिश	6.	आसर्चय	–	आश्चर्य
7.	आपरीचित	–	अपरिचित	8.	नकसा	–	नक्शा
9.	सवतंत्र	–	स्वतंत्र	10.	अनतिम	–	अंतिम

ख.

1.	आवारा	–	पालतू	2.	शहरी	–	ग्रामीण
3.	बुरी	–	अच्छी	4.	मैला	–	साफ़
5.	भाग्य	–	दुर्भाग्य	6.	खुश	–	दु:खी
7.	संतुष्ट	–	असंतुष्ट	8.	मस्त	–	व्यस्त
9.	पूर्व	–	पश्चिम	10.	घृणा	–	प्रेम

ग.

1.	आज्ञा	–	आदेश	हुक्म	निर्देश
2.	तालाब	–	सरोवर	जलाशय	पोखरा
3.	मनुष्य	–	मानव	व्यक्ति	मनुज
4.	कपड़ा	–	वस्त्र	रेशम	लत्ता
5.	सलाम	–	प्रणाम	नमस्ते	आदाब
6.	स्वामी	–	मालिक	प्राणेश	प्राणधार

घ.

1. ऊँट के मुँह में जीरा – आवश्यकता से बहुत कम प्राप्त होना।
   पाँच के बीच में दो मुट्ठी चने क्या हैं, ऊँट के मुँह में जीरा।
2. जान आफ़त में आना – मुसीबत में पड़ना।
   रमेश ने स्वयं ही अपनी जान आफ़त में डाल दी।
3. ईद का चाँद होना – कभी-कभी दिखना या मिलना।
   अरे रोशन! कहाँ थे तुम? तुम तो आजकल ईद का चाँद हो गए हो।
4. आम के आम गुठलियों के दाम – दोहरा लाभ
   भाई साहब! इस दवाई के दो लाभ हैं, मतलब आम के आम गुठलियों के दाम।
5. खोदा पहाड़ निकली चुहिया – अधिक मेहनत करने पर भी कम लाभ होना।
   पूरे महीने मेहनत करने पर मेरे बहुत कम अंक आए, खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

ङ.

संज्ञा	विशेष्य	प्रविशेषण
कुत्ता, शहर	शादी-वाले, पालतू	एक, प्रसन्नता
घर, होटलों	स्वामी	अच्छे-अच्छे
आँखें	व्यक्ति, घास	अच्छा, बहुत-सा

रचनात्मक ज्ञान

क.

- शहर में बिजली-पानी होता है, जोकि गाँव में दुर्लभ होते हैं।
- शहर में बड़े-बड़े स्कूल होते हैं, जबकि गाँव में छोटी-छोटी पाठशालाएँ होती हैं।
- शहर में बड़े-बड़े मकान और मोटर-गाड़ियाँ होती हैं, जबकि गाँव में ये सब कुछ ही लोगों के पास होते हैं।

ख.

- गाँव में स्वच्छ जल तथा सेहतमंद भोजन मिलता है।
- गाँव में साँस लेने के लिए ताज़ी और स्वच्छ वायु भी मिलती है।

ग. शहर की चकाचौंध, बड़ी-बड़ी गाड़ियाँ, ऊँचे-ऊँचे मकान, पक्की सड़कें, बिजली जल तथा धन कमाने के अत्यधिक साधन ग्रामीणों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

घ. प्रस्तुत कहानी 'आज़ादी' से हमें यह शिक्षा मिलती है, कि मनुष्यों की तरह पशुओं को भी आज़ाद रहना पसंद है।

अनोखा पुरस्कार

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. सभी पुरस्कार कीमती थे।
2. अंत में बचा हुआ सबसे कम मूल्य का पुरस्कार एक चाँदी की थाली थी।
3. अचानक दरबार में तेनालीराम ने प्रवेश किया।
4. तेनालीराम ने थाली को दुपट्टे से ढक लिया।
5. सबसे कीमती पुरस्कार तेनालीराम को मिला था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. युद्ध के जीत के अवसर पर राजा कृष्णदेव को मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को पुरस्कार देने की इच्छा हुई।
2. पुरस्कार को लेकर राजा कृष्णदेव राय की शर्त थी, कि सभी को अलग-अलग पुरस्कार दिया जाएगा।
3. जिसके हाथ जो पुरस्कार आया, वह उसी में संतुष्ट हो गया, क्योंकि राजा की शर्त थी, कि सभी को अलग-अलग पुरस्कार मिलेंगे।
4. तेनालीराम को उत्सव में न देखकर सभी खुश हो रहे थे, क्योंकि वे सोच रहे थे, कि अंत में उसे ही सबसे सस्ता पुरस्कार मिलेगा और वे लोग उसका मज़ाक उड़ाएँगे।
5. तेनालीराम थाली को दुपट्टे से ढक रहे थे, ताकि सभी को लगे कि थाली सोने की अशर्फ़ियों से भरी हुई है।
6. सबसे बहुमूल्य पुरस्कार तेनालीराम को मिला, क्योंकि उसने अपनी बुद्धिमत्ता से राजा को प्रसन्न कर दिया।

ख. 1. उत्सव का 2. पुरस्कार 3. महल में
4. थाली खाली थी 5. तेनालीराम को

ग. 1. विजय 2. उपस्थित 3. पुरस्कार 4. हरकत

घ.
1. तेनालीराम ने थाली को उठाकर अपने मस्तक से लगाया। 3
2. तुम्हारी थाली आज भी खाली नहीं रहेगी। 4
3. सबसे कीमती पुरस्कार तो तेनालीराम को ही मिला था। 5
4. एक ही उपहार दो व्यक्तियों को नहीं मिलेगा। 1
5. सभी लोग अच्छे से अच्छा पुरस्कार पाने को लालायित हो उठे। 2

भाषा ज्ञान

क.

1.	युद्ध	–	युदधों	2.	पुरस्कार	–	पुरस्कार
3.	पर्दा	–	पर्दे	4.	थाली	–	थालियाँ
5.	पगड़ी	–	पगड़ियाँ	6.	लोग	–	लोगों

ख.

1.	जिसके समान कोई दूसरा न हो	असमान
2.	जिसे क्षमा न किया जा सके	अक्षम्य
3.	जिसकी उपमा न दी जा सके	अनुपम
4.	जिस पर विश्वास किया जा सके	विश्वसनीय
5.	जिसकी कल्पना न की जा सके	अकाल्पनिक

ग.

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
पेड़	पुस्तक	बगीचा	नदी
कौआ	पेंसिल	ऊँट	शेरनी
तालाब	मोरनी	कलम	

घ.

1.	घृणा	–	प्रेम	2.	कीमती	–	साधारण/मामूली
3.	प्रशंसा	–	बुराई	4.	अंत	–	आरंभ
5.	सावधानी	–	असावधानी	6.	अच्छा	–	बुरा

ङ.

1.	शर्त	–	तुम्हें मेरी शर्त पूरी करनी होगी।
2.	उत्सव	–	कल का उत्सव हम सभी धूम-धाम से मनाएँगे।
3.	संतुष्ट	–	हम सभी को इतने में ही संतुष्ट होना होगा।
4.	उपहास	–	तुम्हें किसी गरीब का उपहास नहीं उड़ाना चाहिए।
5.	मस्तक	–	बड़ों के सामने अपना मस्तक झुकाना अच्छी बात है।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

4 फूलों से नित हँसना सीखो

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. फूलों से हम हमेशा हँसना सीख सकते हैं।
2. हवा के झोंके हमें कोमल भाव बहाना सिखाते हैं।
3. लता और पेड़ों से सबसे प्रेम करने की सीख मिलती है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. दूध और पानी से हम मिलने और मिलाने की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।
2. पतझड़ के पेड़ दु:ख में धीरज रखने की सीख देते हैं, क्योंकि उनके अनुसार पतझड़ के बाद हरियाली भी आती है।

3. धुआँ हमेशा ऊँचाई पर चढ़ने की सीख देता है।
4. मेंहदी से हमें सब पर अपना रंग चढ़ाना सीखना चाहिए।

ख. 1. मछली से 2. भँवरे 3. पतझड़ के पेड़ 4. सूरज की किरणों से

ग. 1. बर्षा की बूंदों से सीखो, सबसे प्रेम बढ़ाना।
2. जलधारा से सीखो, आगे जीवन पथ पर बढ़ना।
3. धुएँ से सीखो, हरदम ऊँचे ही पर चढ़ना।
4. दीपक से सीखो, जितना हो सके अँधेरा हरना।

घ. 1. iii) 2. iv) 3. ii) 4. i) 5. v)

भाषा ज्ञान

क. 1. iv) 2. v) 3. i) 4. ii) 5. iii)

ख.
1. पौधे – बहुवचन
2. घड़ियाँ – बहुवचन
3. तितली – एकवचन
4. लकड़ी – एकवचन
5. चींटी – एकवचन
6. बहनें – बहुवचन
7. आँखें – बहुवचन
8. गाड़ी – एकवचन

ग.
1. मछली – मीन
2. पेड़ – तरु
3. सूरज – सूर्य
4. चाँद – शशि
5. फूल – पुष्प
6. हवा – वायु

घ.
1. गा + ना = गाना
2. सीख + ना = सीखना
3. जग + ना = जगना
4. बढ़ + ना = बढ़ना
5. बह + ना = बहना
6. पढ़ + ना = पढ़ना
7. जीत + ना = जीतना
8. मिल + ना = मिलना

ङ. अँधेरा कोमल जीवन दु:ख धीरज
नित पानी बूंद शीश सेवा

च. स्वयं करें।

रचनात्मक ज्ञान

क. 1. गुलाब से हम खुशबू फैलाना सीख सकते हैं।
2. पर्वत से हम मुसीबत में भी डट कर खड़े रहना सीख सकते हैं।

ख. स्वयं करें।

5 अनमोल पानी

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. हाँ, सिन्हा अंकल का अमन को डाँटना सही था, क्योंकि अमन पानी बर्बाद कर रहा था।
2. पेयजल का एक बड़ा हिस्सा यानि नदियों, तालाबों और कुओं आदि का जल, तरह-तरह के कीटाणुओं एवं हानिकारक रसायनों आदि द्वारा प्रदूषित हो चुका है। इसी कारण पेयजल की मात्रा घट रही है।

3. अंकल ने अमन को डाँट लगाई, क्योंकि वह व्यर्थ में ही पानी बहा रहा था।
4. 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून' का अर्थ है, कि पानी के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

लिखित अभिव्यक्ति

1. जो पानी हम प्रयोग करते हैं, वह सारा पानी नालियों में बहकर पुनः जमीन में नहीं जाता, क्योंकि उस पानी का काफ़ी हिस्सा तो तुरंत वाष्प बनकर उड़ जाता है। जो पानी गड्ढों आदि में एकत्रित होता है, वह सड़कर प्रदूषित हो जाता है और जो थोड़ा-बहुत पानी रिस-रिस कर पृथ्वी के अंदर जाता है, वह ऊपरी सतह में ही रहता है।
2. शुद्ध पानी के प्रदूषित होने की प्रक्रिया को जल-प्रदूषण कहा जाता है। जल-प्रदूषण को रोकने के लिए हमें कूड़े-कचरो को पानी में नहीं बहाना चाहिए।
3. 25 जून, 1783 को फ्रांस के वैज्ञानिक 'एडाटन लारेट लेवोइजे' ने पानी का रासायनिक विश्लेषण किया और घोषणा की, कि पानी हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैसों से मिलकर बना है। हाइड्रोजन के दो परमाणु मिलकर साधारण पानी का एक अणु बनाते हैं। यह सभी जीवधारियों के लिए अनिवार्य है।
4. समुद्रों के प्रदूषण का मुख्य कारण यह है, कि समुद्रों के किनारे बसे औद्योगिक नगरों के उद्योगों का कचरा सीधे समुद्र में गिरा दिया जाता है। परमाणु हथियार संपन्न देशों ने अपना रेडियोधर्मी कचरा भी स्टील के बड़े-बड़े पात्रों में बंद करके समुद्र में डाल दिया जाता है। इसके अलावा जमीन पर या नदियों में जो भी कूड़ा-कचरा फेंका जाता है, वह वर्षा के जल के साथ बहकर नदी-नालों से होता हुआ अंततः समुद्र में ही जाता है। जब से समुद्र के अंदर से खनिजों और तेलों का दोहन प्रारंभ हुआ है, तब से समुद्र का पानी और भी अधिक प्रदूषित हुआ है, क्योंकि इन खनिजों और तेलों आदि की काफ़ी मात्रा रिसकर समुद्र के जल में मिल जाती है। समुद्रों के प्रदूषित होने से उसके अंदर रहने वाले जलीय जंतुओं के जीवन के लिए भी खतरा उत्पन्न हो गया है।
5. हमारी पृथ्वी पर लगभग 331 करोड़ वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में जल ही फैला है, जो पृथ्वी के संपूर्ण क्षेत्रफल का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है। शेष मात्र 29 प्रतिशत भाग पर ही स्थल है।
6. पानी का पर्यायवाची शब्द है 'जीवन', क्योंकि पानी के बिना कोई भी प्राणी ज़्यादा समय तक जीवित नहीं रह सकता।
7. स्वयं करें।

ख. 1. 79.3 2. 70 से 90 3. दस 4. ऑक्सीजन 5. 29

ग. 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗
5. ✓ 6. ✓ 7. ✓

भाषा ज्ञान

क. 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. प्रश्नवाचक सर्वनाम
3. निजवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम
5. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 6. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

ख. 1. पवित्र गंगा 2. पीली कमीज़ 3. विशाल हिमालय
4. सूखा पेड़ 5. बूढ़ी दादी 6. खारा समुद्र

ग. स्वयं करें।

घ.

1.	पानी	–	जल, नीर	2.	कीमती	–	बहुमूल्य, मँहगा
3.	पहाड़	–	पर्वत, शिखर	4.	पृथ्वी	–	भू, धरा
5.	गंगा	–	देवनदी, मंदाकिनी	6.	स्वच्छ	–	साफ़, पुनीत
7.	पेड़	–	वृक्ष, तरु	8.	नदी	–	सरिता, सारंग

ङ. 1. ii) 2. iii) 3. iv) 4. i)
5. viii) 6. vii) 7. v) 8. vi)

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

6 उलट-पुलट

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. सुशील के पिता का नाम सुबल था।
2. सुबल बेटे को नहीं पकड़ पाते थे, क्योंकि वे बूढ़े हो चुके थे।
3. सुशील बहाना बनाकर मोहल्ले के आतिशबाज़ी के प्रोग्राम में जाने की सोच रहा था।
4. पिता-पुत्र की इच्छा सुनकर इच्छापरी ने उनकी इच्छा पूरी की।
5. सुशील का मुँह बिना दाँतों वाला हो गया था, इसलिए उसे लेमन जूस की गोली अच्छी नहीं लगी।

लिखित अभिव्यक्ति

1. सुबल चंद्र बेटे की शरारतों के लिए मोहल्ले वालों से माफ़ी माँगते थे।
2. सुबल अपने पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान न देने की भूल को सुधारना चाहते थे।
3. सुशील और सुबल के मन की इच्छा इच्छापरी ने जान ली थी।
4. सुशील के दोस्त उसे बूढ़े रूप में देखकर डर गए।
5. बूढ़ा बनकर सुशील को बहुत परेशानियाँ झेलनी पड़ रही थीं। उसके घुटनों में दर्द रहने लगा था। उसके दाँत नहीं रहे। सुशील का शरीर थकने लगा था।
6. बूढ़े सुबल ने बच्चा बनकर एक-दो बार सुशील की तरह ढेले मारकर आनंदी बुआ की मटकी फ़ोड़ दी। सैलून में जाकर नाई को बाल काटने के लिए कहने लगे। इसी प्रकार की अनेक गड़बड़ियाँ बूढ़े सुबल से होने लगीं।
7. सुशील बूढ़ा बनकर और पिता सुबल बच्चा बनकर भी परेशान थे, क्योंकि उनसे अपनी आदत के अनुसार बहुत-सी गलत हरकतें होती रहती थीं।

ख. 1. मोहल्ले वाले 2. दोस्तों के साथ खेलने
3. पेट दर्द 4. हरि 5. काढ़ा

ग. 1. इस कथन द्वारा बालक सुशील यह कहना चाहता है, कि बचपन केवल खेलने-कूदने के लिए ही होता है। परंतु उसके पिता इस बात को नहीं समझते और उसे हर समय डाँटते रहते हैं। वे हमेशा सुशील पर अपना बड़ा होने का रौब जमाते रहते हैं।

2. सुशील यह कथन अपने पिता से कहता है। वह यह कहना चाहता है, कि उसे अब किसी दवाई या काढ़े की आवश्यकता नहीं है। उसका पेट दर्द थोड़ी ही देर में ठीक हो गया।

3. सुशील चाहता था, कि वह सुबल की तरह बड़ा हो जाए और सुबल चाहता था कि वह फिर से बच्चा बन जाए। और उनकी इस इच्छा को इच्छापरी ने पूरा कर दिया था। परंतु वे दोनों बाद में अपनी इस इच्छा पर पछताने लगे और वापस जैसे थे, वैसे ही होने की इच्छा करने लगे। इच्छापरी ने उनकी यह इच्छा पूरी कर दी। अब फिर से सुशील बच्चा और सुबल बुढ़ा बन गए थे।

भाषा ज्ञान

क.	**व्यक्तिवाचक संज्ञा**	**जातिवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**
	सुशील, पिता	शैतान	शरारत
	सुबलचंद्र, हिरन	मोहल्ला	बुढ़ापा
	काढ़ा, इच्छापरी	खेल	स्वाद
	कबड्डी, रामायण		बचपन

ख. 1. बुरा 2. बाहर 3. इच्छा 4. बूढ़ा 5. अधिक

ग.

1.	मुह	–	मुँह	2.	गाव	–	गाँव
3.	गजा	–	गंजा	4.	बद	–	बंद
5.	डाटना	–	डाँटना	6.	आनद	–	आनंद
7.	कुडी	–	कुंडी	8.	हसना	–	हँसना

घ.

1.	मदद	–	सहायता	2.	सपना	–	स्वप्न
3.	बूढ़ा	–	वृद्ध	4.	मित्र	–	दोस्त
5.	डॉक्टर	–	चिकित्सक	6.	बुख़ार	–	ज्वर
7.	बच्चा	–	बालक	8.	आफ़त	–	मुसीबत

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

घ.

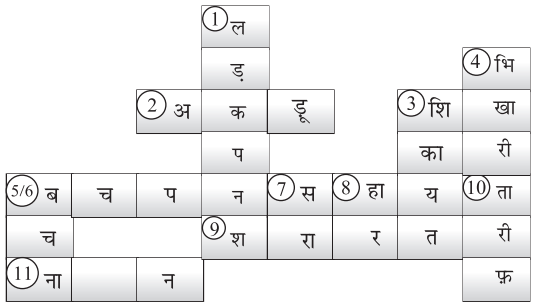

7 वरदान माँगूँगा नहीं

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. इस कविता में कवि दया की भीख, विश्व की संपत्ति और वरदान नहीं माँगना चाहता।
2. कवि के अनुसार जीवन महासंग्राम है।
3. तिल-तिल मिटकर भी कवि दया की भीख नहीं लेने की बात कह रहा है।
4. कवि व्यर्थ में हृदय की वेदना नहीं त्यागना चाहता।

लिखित अभिव्यक्ति

1. कवि विश्व की संपत्ति मिलने पर भी अपने यादगार सुखद प्रहरों और खंडहरों को नहीं त्यागना चाहता।
2. संघर्ष के पथ पर कवि को जो मिले, वह उसे ही सही मानता है।
3. कवि अपनी लघुता को बचाकर रखना चाहता है, क्योंकि वह उसी में खुश है।
4. कर्त्तव्य पथ पर चलने के लिए कवि अपने तकलीफ़ और शाप को सहने के लिए तैयार है।

ख. 1. एक विराम 2. दया की 3. हार या जीत में 4. लघुता

ग. 1. कवि अपनी इन पक्तियों द्वारा यह कहना चाहता है कि उसे हार और जीत का भय नहीं है। उसे इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि वह जीते या हारे। उसे अपने संघर्ष पर जो भी मिले, उसे वह सब स्वीकार है।

2. इन पंक्तियों द्वारा कवि यह कहना चाहता है कि उसे चाहे उसके हृदय को कष्ट मिले या कोई भी अभिशाप मिले, उसे भय नहीं है। वह सदैव अपने कर्त्तव्यों का पालन करता रहेगा। वह कभी भी अपने कर्त्तव्यों को छोड़कर भागेगा नहीं।

भाषा-ज्ञान

क. 1. हार – गले का आभूषण — राधा के पास बहुत ही सुंदर हार है।
हार – पराजय — राजा कृष्णदेव ने अपने शत्रुओं को हार की चटनी चटाई।

2. कर – हाथ — हमारे स्कूल का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री के कर कमलों से हुआ।
कर – कर्जा — किसानों के कर को माफ़ कर दिया गया है।

ख. 1. जीवन – मृत्यु 2. वरदान – अभिशाप
3. सुखद – दुखद 4. भयभीत – अभय
5. सही – गलत 6. सत्मार्ग – कुमार्ग

ग.

1.	विश्व	संसार	जगत	जगन ✗
2.	जीत	विजय	संघर्ष ✗	फतह
3.	पथ	राही ✗	रास्ता	मार्ग
4.	दिन	दिवस	वार	मंगल ✗
5.	धरती	सागर ✗	धरा	पृथ्वी

घ. 1.	खडंहर	–	खंडहर	2.	हिरदय	–	हृदय
3.	सर्घष	–	संघर्ष	4.	प्रिथवी	–	पृथ्वी
5.	लघूता	–	लघुता	6.	र्व्यथ	–	व्यर्थ

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. इस कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहता है, कि हमें अपने इरादों को मज़बूत रखना चाहिए और अपने कर्त्तव्यों तथा सपनों को पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। हमें अपने जीवन में कभी भी किसी से आशा नहीं रखनी चाहिए।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

8 अशोक का शस्त्र त्याग

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. कलिंग युद्ध चार साल तक चला था।
2. संवाददाता अशोक की बात सुनकर चुप रहता है, क्योंकि कलिंग के महाराज की मृत्यु पर भी वहाँ के फाटक बंद थे।
3. राजकुमारी पद्मा कलिंग महाराज की पुत्री थी। उसने अपनी स्त्री सेना को अपने पति-पुत्रों के हत्यारों को मारने का आदेश दिया।
4. पद्मा ने अशोक को ललकारते हुए कहा, 'अशोक कहाँ है? मेरे पिता का हत्यारा? मैं उससे द्वंद्व-युद्ध करना चाहती हूँ।'
5. पद्मा के सामने अशोक तलवार फेंकते हुए अपने सैनिकों को भी अपनी तलवारें फेंकने की आज्ञा देते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. संवाददाता ने अशोक को समाचार दिया, कि कलिंग के महाराज की मृत्यु हो गई है।
2. कलिंग दुर्ग के फाटक न खुलने पर अशोक ने निर्णय लिया, कि अगले दिन या तो वह कलिंग का फाटक खुलवाएगा या फिर उसकी सेना वापस लौट जाएगी।
3. दुर्ग का फाटक खुलने पर अशोक और सिपाही शस्त्र-सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना देखकर चकित रह जाते हैं।
4. अशोक ने राजकुमारी पद्मा से युद्ध न करने का निर्णय लिया, क्योंकि शास्त्र के अनुसार स्त्रियों पर शस्त्र उठाना वर्जित है।
5. पद्मा ने कहा, कि शास्त्र की आज्ञा है, कि तुम निरपराधियों की हत्या करो। शास्त्र की आज्ञा है, कि तुम अपनी विजय-लालसा पूरी करने के लिए लाखों माताओं की गोद सूनी कर दो, लाखों स्त्रियों की माँग का सिंदूर पोंछ डालो, फूँक दो उस शास्त्र को, जो तुम्हें

यह सिखाता है। मैं तुमसे शास्त्र सीखने नहीं आई हूँ, शस्त्रों से युद्ध करने आई हूँ। तुम हत्यारे हो, मैं अपनी बलि चढ़ाकर तुम्हारी खून की प्यास बुझाने आई हूँ। अपने सिपाहियों से कहो कि तलवार उठाएँ, कलिंग की स्त्रियाँ तुमसे कुछ नहीं चाहतीं, केवल युद्ध चाहती हैं।

6. अशोक के सिर झुका लेने पर पद्मा ने कहा, कि मैं केवल युद्ध चाहती हूँ। आज आपके भीषण युद्ध की पूर्णाहुति होगी।
7. कलिंग युद्ध के बाद अशोक महात्मा बुद्ध की शरण में चले गए।

ख. 1. लाखों 2. कलिंग की राजकुमारी 3. शास्त्र की आज्ञा
4. पिता की मृत्यु का

ग. 1. अशोक ने संवाददाता से कहा। 2. संवाददाता ने अशोक से कहा।
3. पद्मा ने अशोक से कहा। 4. अशोक ने पद्मा से कहा।
5. महात्मा बुद्ध ने अशोक से कहा।

भाषा ज्ञान

क.

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग		पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1.	महाराज	**महारानी**	2.	पिता	**माता**
3.	**वीर**	वीरांगना	4.	**अपराधी**	अपराधिनी
5.	**राजकुमार**	राजकुमारी	6.	पुरुष	**स्त्री**
7.	हत्यारा	**हत्यारिन**	8.	भिक्षु	**भिक्षिका**

ख. 1. विजय – पराजय 2. अधिकार – अनाधिकार
3. पराधीन – स्वाधीन 4. सामने – पीछे
5. दोषी – निर्दोष 6. अपराधी – निरपराधी
7. अहिंसा – हिंसा 8. प्रेम – घृणा

ग. 1. लोहा लेना – मुकाबला करना
2. मृत्यु की गोद में सोना – मृत्यु होना
3. काम तमाम कर देना – किसी को समाप्त करना
4. जान पर खेलना – बहादुरी से कार्य करना
5. आँखों में धूल झोंकना – धोखा देना

घ. 1. सफ़लता – सफ़लतापूर्वक 2. दृढ़ता – दृढ़तापूर्वक
3. न्याय – न्यायपूर्वक 4. ध्यान – ध्यानपूर्वक

ङ. 1. मातृ = माता रमेश मातृ-भक्त है।
मात्र = केवल मुझे मात्र पाँच रुपये चाहिए।
2. शस्त्र = हथियार सिपाही शस्त्रों से लड़ते हैं।
शास्त्र = धार्मिक पुस्तक हमें शास्त्रों का अपमान नहीं करना चाहिए।
3. ग्रह = एक नक्षत्र सौरमंडल में आठ ग्रह हैं।
गृह = घर कल हमारा गृह-प्रवेश है।

च.

1.	प्रसन्नतापुर्वक	प्रसन्नतापूर्वक ✓	प्रसन्नतार्पूवक
2.	मातृभूमि ✓	मातभूमि	मातृभुमी
3.	आत्मसमर्पण ✓	आतम समर्पण	आत्मसमपर्ण
4.	मंत्रमुग्ध ✓	मंत्रमूग्ध	मंतृमुग्ध
5.	स्रियाँ	स्त्रियाँ ✓	स्त्रीयाँ

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

9 दीये का अभिमान

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. दीये को अभिमान हो गया था।
2. सूरज दिन में प्रकाश करता है।
3. चाँद अंदर का अँधियारा नहीं मिटा पाता।
4. अंहकार की आँखों से दीया सृष्टि को देख रहा है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. दीया स्वयं को सूरज और चाँद से महान मानता है, क्योंकि वह सोचता है, कि सूरज तो केवल दिन में प्रकाश देता है और चाँद की रोशनी से घर के अंदर का अंधियारा नहीं मिट पाता।
2. हवा के झोंके से दीये का अभिमान टूट गया।
3. अभिमान करने का दुष्परिणाम होता है।
4. सूरज दिन में प्रकाश देता है और चाँद रात के अंधियारे को मिटाता है।
5. हमें अपना काम बिना अभिमान के करना चाहिए।

ख. 1. दीये को 2. सूरज के 3. अहंकार की 4. अहंकार

ग. 1. **चाँद** भी मिटा नहीं पाता है अंदर का **अंधियारा**।
मैं ही घर के **कोन-कोने** में करता **उजियारा**।।

2. इस **घमंड** में सिर ऊँचा कर लगा **आकाश** में दृष्टि।
अहंकार की आँखों से वह देख रहा था **सृष्टि**।।

3. इतने में ही लगा **हवा** का हल्का झोंका एक।
सिर **नीचा** हो गया, बुझ गया, रही **धुएँ की एक रेखा**।।

भाषा ज्ञान

क.

1.	अंस	–	कंधा	2.	अनिल	–	वायु
	अंश	–	अंग / हिस्सा		अनल	–	आग
3.	अन्न	–	भोजन	4.	छात्र	–	विद्यार्थी
	अन्य	–	कोई और		क्षात्र	–	क्षत्रीयपन
5.	कर्म	–	कार्य	6.	समान	–	एक जैसा
	क्रम	–	रीति		सामान	–	वस्तु

ख.

1.	प्रकाश	–	रोशनी	उजाला
2.	सूर्य	–	सूरज	रवि
3.	चंद्र	–	चाँद	चंद्रमा
4.	हवा	–	वायु	अनिल
5.	अभिमान	–	अंहकार	अहम
6.	दिन	–	दिवस	वार

ग.

1. कोई – क्या यहाँ पर कोई है?
2. कहाँ – हम कहाँ जा रहे हैं?
3. क्यों – तुम कल क्यों नहीं आए?
4. क्या – तुम्हारा नाम क्या है?
5. कब – आप कब आएँगे?

घ.

1. हार < पराजय, माला
2. तीर < बाण, किनारा
3. पर < पंख, लेकिन
4. फल < परिणाम, खाने वाला फल
5. उत्तर < जवाब, दिशा
6. कर < टैक्स, हाथ

ङ. स्वयं करें।

रचनात्मक ज्ञान

क.

दीयों की उपयोगिता

दीया अच्छाई का प्रतीक है। दीया अँधेरे/अंधकार पर प्रकाश की विजय का भाव है। कहते हैं कि जब राजा राम, रावण को मार कर सीता के साथ पाप की लंका राख करके अयोध्या लौटे थे, तो पूरे अयोध्यावासियों ने उनकी आने की खुशी और उल्लास में घी के दीये जलाए थे। दीया कुम्हार की जीवन जीने की आजीविका है। दीया बताता है कि किस तरह एक मिट्टी का लोथा सुंदर आकार ले सकता है। ऐसे हम भी जीवन की मुश्किलों का सामना करके स्वयं को नए रंग में ढाल सकते हैं, जिसका कुछ श्रेष्ठ उद्देश्य है। लोग जन्मदिन पर या तुलसी पूजा में हमेशा घी के दीये जलाते हैं। दीये सभी धातुओं से बने हुए मिलते हैं। लेकिन मिट्टी का दीया श्रेष्ठ माना गया है। दिवाली पर सब लोग दीयों से घर का कोना-कोना रोशन करते हैं। लक्ष्मी के आने की खुशी में पूरा घर प्रकाशमान कर देते हैं। दीया शुद्धता और ईमानदारी का प्रतीक है।

ख. स्वयं करें।

10 चतुर किसान

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. दीनू एक गरीब किसान था।
2. दीनू की ज़मीन बंजर थी।
3. दीनू ने कहा, 'बौने मदारी! मैं आज अपने बाप दादा की धरती के रोड़े हटाने ही यहाँ आया हूँ। तुम सोच-समझ कर आड़े आना।'
4. दीनू की प्रथम बार की खेती को खट्टनवीर चोरी से काट कर ले गया। उसमें से दीनू को कुछ नहीं मिला।
5. दीनू ने साझे में जो शर्तें रखीं, उनका लाभ खट्टनवीर को हुआ।

लिखित अभिव्यक्ति

1. दीनू का स्वभाव सरल था। भीख माँगकर पेट भरने की अपेक्षा, भूखा रहना पंसद था। वह मेहनत करके अपना पेट भरने की सोचता था।
2. दीनू ने बंजर धरती को जोतकर खेत बनाने का निश्चय किया, क्योंकि वह एक किसान था।
3. दीनू से लड़ने हट्टा-कट्टा नाटा नट आया।
4. दीनू की फ़सल खट्टनवीर चुरा कर ले गया।
5. साझेदारी के बाद की दूसरी फ़सल में दीनू को गेहूँ के दाने मिले और खट्टनवीर को भूसा।
6. दीनू का नया साथी उसकी लाठी बन गई थी।
7. दीनू खट्टनवीर की चोटी पकड़कर उसे लट्टू की तरह नचाने लगा। उसने उससे अपनी फ़सल की रकम उसकी पिटाई करके वसूली।

ख. 1. दीनानाथ 2. आलू 3. भूसा

ग. 1. फावड़े, कुदाल 2. पट्टन 3. वस्तु
4. आड़े 5. पड़ोसी, धर्म 6. खट्टन

घ.

	किसने	**किससे**		**किसने**	**किससे**
1.	दीनू	खट्टनवीर	2.	खट्टनवीर	दीनू
3.	दीनू	खट्टनवीर	4.	दीनू	खट्टनवीर

भाषा ज्ञान

क. 1. परिश्रम : सफलता की कुंजी 2. परिश्रम 3. मीठे

ख.

1.	धर्म	–	अधर्म	2.	व्यर्थ	–	उपयोगी
3.	ज़मीन	–	आसमान	4.	निश्चय	–	अनिश्चय
5.	नायक	–	खलनायक	6.	पुराना	–	नया
7.	हानि	–	लाभ	8.	दुष्ट	–	सज्जन
9.	प्रिय	–	अप्रिय	10.	परिश्रम	–	आलस

ग. 1. दाँत पीसना (अत्यधिक क्रोध को दबाना)
दुश्मन को उस सभा में देखकर नेता जी दाँत पीसकर रह गए।

2. हाथ लगना (मिलना)
भागते-भागते चोर के हाथ एक कीमती वस्तु लग गई।
3. दाँत खट्टे करना (पराजित करना)
अशोक ने युद्ध में अपने दुश्मनों के दाँत खट्टे कर दिए।
4. पिंड छोड़ना (पीछा छोड़ना)
मैंने बड़ी ही मुश्किल से उससे पिंड छुडवाया है।
5. उल्लू बनाना (मूर्ख बनाना)
राजू को उसके मित्र ने उल्लू बना दिया।
6. हड़प कर जाना (डकार जाना)
सियाराम अपने भाई की सारी संपत्ति डकार गया।
7. पासा उल्टा पड़ना (प्रतिकूल परिणाम निकलना)
राजेंद्र का पासा ही उल्टा पड़ गया।
8. सूखकर काँटा होना (बहुत ही दुर्बल हो जाना)
गरीबी में अजय सूखकर काँटा हो गया।

घ. स्वयं करें।

ङ. 1. मिश्रित वाक्य 2. सरल वाक्य 3. संयुक्त वाक्य
4. मिश्रित वाक्य 5. संयुक्त वाक्य 6. मिश्रित वाक्य

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।
ख. स्वयं करें।
ग. स्वयं करें।
घ. स्वयं करें।

11 शक्ति और क्षमा

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. सुयोधन ने क्षमा, दया, तप, त्याग और मनोबल का सहारा लिया।
2. जिस सर्प के पास विष न हो, उसे क्षमा नहीं शोभती है।
3. पांडवों के क्षमाशील स्वभाव के कारण कौरवों ने उन्हें कायर समझा।
4. राम ने सागर के प्रकट न होने पर, क्रोधित होकर तीर और धनुष उठा लिया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. इस पंक्ति का यह तात्पर्य है, कि क्षमा उसी साँप को शोभा देती है, जिसके पास विष होता है।
2. पांडव कौरवों के समक्ष क्षमाशील बने जो उन्होंने उन्हें कायर समझा।
3. राम को समुद्र पर क्रोध आया, क्योंकि राम के बार-बार प्रार्थना करने पर समुद्र प्रकट नहीं हो रहे थे।
4. प्रस्तुत कविता में राम के क्रोधित रूप का वर्णन किया गया है।

5. कवि के अनुसार तीर में चरण बसता है।
6. जब बल का घमंड किसी व्यक्ति के अंदर जगमगाता है, तभी जग उसको पूजता है।

ख. 1. दुर्योधन 2. युधिष्ठिर 3. तीन दिन
4. रामधारी सिंह 'दिनकर'

ग. 1. क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो।।
उसको क्या, जो दंतहीन,
विषरहित, विनीत, सरल हो।।

2. **तीन दिवस तक पंथ माँगते**
रघुपति सिंधु-किनारे।
बैठे पढ़ते रहें छंद
अनुनय के प्यारे-प्यारे।

3. सच पूछो, तो शर में ही
बसती है दीप्ति विनय की।
संधि-वचन संपूज्य उसी का,
जिसमें शक्ति विजय की।।

घ. 1. कवि बताना चाहता है कि क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल सभी का सहारा लिया गया। इन सब का सहारा लेने के बाद भी तो बाग समान सुयोधन नहीं हारा। कभी-कभी हमें सहनशीलता को त्यागकर व्याघ्र रूप भी लेना चाहिए।

2. कवि पांडवों को यह बताना चाहता है, कि पांडव अपने शत्रुओं के सामने भी क्षमाशील बन गए। वे जितना ही झुकते गए, कौरव उन्हें उतना ही कायर समझते रहे। यदि पांडव क्षमाशील नहीं होते और समय-समय पर कौरवों को मात देते रहते, तो उन्हें कौरव इतने कमज़ोर नहीं समझते।

3. इन पंक्तियों द्वारा कवि बताना चाहता है, कि तीन दिनों तक भगवान राम समुद्र के सामने विनती करते रहे। परंतु समुद्र ने कोई उत्तर नहीं दिया। अंत में श्री राम भी अधीर हो गए और उनके शरीर से पौरुष-शक्ति की आग धधकने लगी और वे समुद्र को उसके किए की सज़ा देने को तत्पर हो गए।

4. इन पंक्तियों द्वारा कवि कहना चाहता है, कि यह जग सहनशीलता, क्षमा, दया तो तभी पूजता है, जब वह व्यक्ति शक्तिशाली होता है। जग उस व्यक्ति को तभी पूजता है, जब उसके पास अपार बल होता है।

भाषा ज्ञान

क.
1. जिसके समान दूसरा कोई न हो – असमान / अद्वितीय
2. जो दूसरों से ईर्ष्या करे – ईर्ष्यालु
3. उपकार को मानने वाला – उपकारी
4. जहाँ जाना कठिन हो – दुर्गम
5. विश्वास करने योग्य – विश्वसनीय
6. जिसमें कोई दोष न हो – निर्दोष
7. पर्वत पर रहने वाला – पर्वतीय

ख. स्वयं करें।

ग. 1. धार्मिक स्थल 2. दुधारु पशु 3. जंगली पशु
4. जलाशय 5. सौरमंडल

घ. 1. असंभव को संभव 2. दुर्बलता 3. शारीरिक

ङ.

1.	क्रम	–	विधि/रीति	इन पंक्तियों को क्रमबद्ध लिखो।
	कर्म	–	कार्य	हम सभी को अच्छे कर्म करने चाहिए।
2.	चिर	–	बहुत दिनों का	इस व्यक्ति की आयु चिर काल तक है।
	चीर	–	कपड़े	द्रोपदी का भरी सभा में चीर हरण किया गया था।
3.	ग्रह	–	नक्षत्र	सौरमंडल में आठ ग्रह हैं।
	गृह	–	घर	कल हमारा गृह-प्रवेश है।
4.	दिन	–	दिवस	आज का दिन बहुत शुभ है।
	दीन	–	दयनीय	वह बहुत दीन व्यक्ति है।
5.	समान	–	एक जैसा	सभी को एक समान नहीं समझना चाहिए।
	सामान	–	वस्तु	अपना सामान यहाँ से ले जाओ।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

12 अन्याय की शुरूआत

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. ब्राह्मणी को अपनी पुत्री के विवाह की चिंता थी।
2. ब्राह्मण अपना पोथी-पतरा लेकर घर से निकल पड़ा।
3. चारों सियार देवता थे।
4. राजा ने ब्राह्मण से गाय छीन ली।

लिखित अभिव्यक्ति

1. ब्राह्मणी, ब्राह्मण को बेटी का ब्याह नहीं कर पाने के लिए खरी-खोटी सुना रही थी।
2. ब्राह्मण पोथी-पतरा को पटकते हुए ब्राह्मणी से बोला, 'घोर कलियुग आ गया है। लोगों को धर्म में विश्वास ही नहीं रहा। कोई कथा-वथा सुनता ही नहीं है। सारा दिन नगर में भटकता रहा, मगर किसी ने राम-राम तक नहीं की।'
3. चारों सियारों ने ब्राह्मण को एक गाय दी, ताकि वह उस गाय द्वारा अपने दु:खों का निवारण कर सके।
4. करामाती गाय प्रतिदिन एक सोने की गिन्नी और मनचाहा दूध देती थी।
5. ब्राह्मण राजा के सामने अपनी गाय को बचाने के लिए गिड़गिड़ा रहा था।

6. पहला सियार राजा की बात सुनकर आसमान की ओर परमेश्वर के दौड़े चले आने का इंतज़ार करने के लिए देखने लगा।

ख. 1. गरीब 2. पुत्री की शादी की 3. तालाब के किनारे
4. दोनों 5. कलियुग की

ग. 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. हाँ 5. हाँ

घ. 1. विश्वास 2. धनवान 3. विशेषताएँ 4. सियार 5. दुम

भाषा ज्ञान

क. अन्यायी कलियुग खिलाफ़ गरीब देवता
पंचायत ब्राह्मण भविष्य मनचाहा सियार

ख.

1.	न्याय	–	अन्याय	2.	हँसना	–	रोना
3.	छोटा	–	बड़ा	4.	अच्छा	–	बुरा
5.	राजा	–	रंक	6.	गरीब	–	अमीर
7.	धनवान	–	गरीब	8.	देवता	–	दानव

ग.

1.	पुत्र	–	पुत्री	2.	ब्राह्मण	–	ब्राह्मणी
3.	पति	–	पत्नी	4.	लड़का	–	लड़की
5.	देवता	–	देवी	6.	गाय	–	बैल
7.	राजा	–	रानी	8.	पड़ोसी	–	पड़ोसिन

घ.

	शब्द		**उपसर्ग**	**मूलशब्द**	**शब्द**		**उपसर्ग**	**मूलशब्द**
1.	अवतरण	–	अव	तरण	2. अनिच्छा	–	अन्	इच्छा
3.	अन्यथा	–	अन्य	था	4. उपकार	–	उप	कार
5.	उपदेश	–	उप	देश	6. नासमझ	–	ना	समझ

ङ.

1. न्याय – चारों सियार न्याय के देवता थे।
2. परिवार – मेरा परिवार बहुत सुखी है।
3. अधिकार – हमें अपने अधिकारों का सदुपयोग करना चाहिए।
4. धमकी – राजा ने ब्राह्मण को कैद करने की धमकी दी।
5. दुर्लभ – चमत्कारी गाय दुर्लभ है।

रचनात्मक ज्ञान

क.

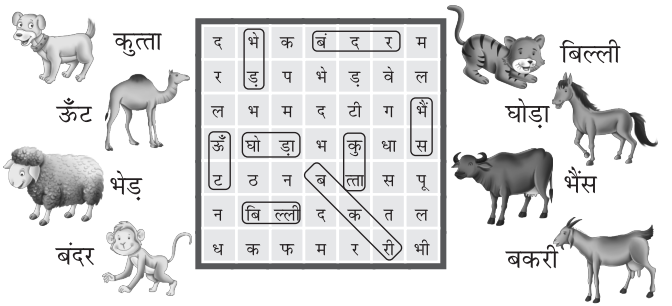

ख. स्वयं करें।

13 बड़े भाई को पत्र

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. राजेंद्र प्रसाद के मन में देश सेवा करने की इच्छा थी, जो वे अपने बड़े भाई के सामने नहीं कह पाए।
2. लेखक ने 'भारत-सेवक-समाज' के विषय पर बीस दिनों तक विचार किया।
3. 'भारत-सेवक-समाज' का अर्थ है, वह समाज जो केवल भारत की सेवा करने का कार्य करता है।
4. राजेंद्र प्रसाद की हार्दिक इच्छा देश-सेवा करने की थी।
5. स्वयं करें।
6. ✣ राजेंद्र प्रसाद देश सेवा करना चाहते थे।
   ✣ उनका रहन-सहन सीधा-सादा था।
   ✣ उनका हृदय बहुत विशाल था।
   ✣ वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे।
   ✣ उन्हें एक अमीर आदमी बनने की इच्छा नहीं थी।

लिखित अभिव्यक्ति

1. ऐसा करना उनके लिए तभी संभव था, जब वे अपने परिवार से दूर रहकर देश की सेवा करते।
2. राजेंद्र प्रसाद का रहन-सहन सीधा-सादा था।
3. समाज में धनी लोग बड़े गिने जाते हैं।
4. दरिद्रता को तुच्छ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि दुनिया के महापुरुष महादरिद्र ही रहे हैं। वे आरंभ में खूब सताए गए हैं और नीची नज़र से देखे गए हैं, पर हँसी उड़ाने वाले धूल में मिल गए।
5. राजेंद्र प्रसाद ने पत्र में लोगों की दरिद्रता, भेदात्मक भावना का वर्णन किया है।
6. राजेंद्र प्रसाद का बड़े भाई को पत्र लिखने का मुख्य उद्देश्य देश-सेवा करने की अनुमति लेना था।

ख. 1. अनुमति के लिए 2. राजेंद्र प्रसाद
3. 'भारत-सेवक-समाज' में सम्मिलित होना

ग. 1. मैंने 2. देश 3. पद 4. मार्ग
5. भरण-पोषण 6. भाई

घ. 1. इस गद्यांश द्वारा राजेंद्र प्रसाद यह कहना चाहते थे, कि उनका अपने भाग्य को देश के साथ मिला देना ही अच्छा होगा। उनके पूरे परिवार का ध्यान उनके ऊपर ही केंद्रित है, कि वे अपनी पढ़ाई समाप्त करके अपना जीवन किसी ऐसे कार्य में लगाएँ, जिससे वे अधिक धन अर्जित कर सकें और अपने परिवार का भरण-पोषण अच्छे से कर सकें।

ऐसा सुनकर उनके भाई को धक्का लगेगा। परंतु उनका हृदय केवल देश-सेवा करने की अनुमति देता है।

2. इस कथन द्वारा राजेंद्र प्रसाद कहना चाहते थे, कि लोगों की इच्छा उनके धन के अनुसार बढ़ती जाती है। लोगों को यह लगता है, कि वे अधिक धन पाकर ही संतुष्ट होंगे। परंतु वे नहीं जानते, कि बाह्य सुख से संतुष्टि नहीं मिलती। ऐसा सोचना केवल उनके हृदय की उपज है।

भाषा ज्ञान

क. 1. राजेंद्र प्रसाद जी लेख लिखते रहे होंगे।
2. अध्यापक को पूरा दिन पढ़ाते रहना पड़ता है।
3. नाव पानी में डूबती चली गई।
4. अब मुझसे इस पथ पर नहीं चला जा रहा है।
5. ऋतिक छत से गिरकर घायल हो गया।
6. क्षितिज को रात भर पढ़ते रहना पड़ा।

ख.

धूप – दीप	आयात – निर्यात	सुख – दु:ख	भरण – पोषण
इधर – उधर	आस – पास	रात – दिन	सच – झूठ
उलट – पुलट	हँसना – रोना	पाप – पुण्य	कम – ज़्यादा

ग.

1. सजना	–	सजावट	2. पूजना	–	पूजनीय
3. मिलाना	–	मिलावट	4. बचाना	–	बचाव
5. उड़ना	–	उड़ान	6. पीटना	–	पिटाई
7. भागना	–	भगाना	8. हँसाना	–	हँसी

घ.

1. आदर	–	अनादर	2. बड़ा	–	छोटा
3. सुखी	–	दु:खी	4. आशा	–	निराशा
5. उच्चतर	–	निच्चतर	6. धनी	–	निर्धन
7. सफ़लता	–	असफ़लता	8. आरंभ	–	अंत

ङ.

1. आश्चर्यचकित	–	जादूगर ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।
2. अनुभव	–	मुझे इस कार्य का बहुत अनुभव है।
3. विश्वास	–	मुझे तुम पर पूरा विश्वास है।
4. स्वेच्छा	–	मैं अपनी स्वेच्छा से विदेश जाना चाहती हूँ।
5. सहमति	–	हमें कोई भी कार्य सभी की सहमति से करना चाहिए।
6. संतुष्ट	–	हमें जितना मिला, उतने में ही संतुष्ट होना चाहिए।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

14 मंगल की सैर

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. सौरमंडल में आठ ग्रह हैं।
2. मार्स का अर्थ है –गॉड ऑफ़ वार अर्थात् युद्ध का देवता।
3. ✣ सौरमंडल में मौजूद सभी ग्रहों में केवल मंगल ही एक ग्रह है, जहाँ जीवन की संभावना देखी गई है।
   ✣ सौरमंडल में उपस्थित ज्वालामुखी मंगल ग्रह पर है और इसका नाम ओलपंस मॉस हैं।
   ✣ मंगल के पास पृथ्वी की तरह पोलर कैप्स है। हालांकि इसके पोलर कैप्स में अधिकतर जमें हुए पानी की जगह जमा हुआ कार्बनडाई ऑक्साइड रहता है।
   ✣ ऐसा माना जाता है, कि पृथ्वी के समान ही इसके चारों ओर भी पानी का बहाव है।
   ✣ सूर्य की ओर से यह चौथा ग्रह है।
4. मंगल ग्रह के दो चाँद है – फोबोस और डेमोस।
5. भारत द्वारा निर्मित मंगलयान में कुल 450 करोड़ लागत लगी।

लिखित अभिव्यक्ति

1. मार्स शब्द ग्रीक शब्द आर्स से लिया गया है।
2. मंगल ग्रह पर पृथ्वी के गुरुत्व बल का एक तिहाई गुरुतत्व बल मौजूद है।
3. सोवियत संघ के वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह की प्रथम बार खोज की।
4. मरीनर–9 ने ही बताया, कि मंगल पर जब–तब धूल भरे तूफ़ान उठते रहते हैं। रोचक तथ्य तो यह है, कि जब यह पहुँचा था, तब भी मंगल की सतह पर तूफ़ान था, जो महीने बाद समाप्त हुआ।
5. मंगल ग्रह के दो चाँद हैं – फोबोस और डेमोस। अन्य शब्दों में अगर हम कहें, तो यहाँ दो चाँद हैं, जबकि हमें एक ही चाँद देखने को मिलता है। डेमोस से फोबोस थोड़ा बड़ा है, जो कि सतह से केवल 6 हज़ार किलोमीटर ऊपर परिक्रमा करता है। फोबोस धीरे–धीरे मंगल की ओर झुक रहा है, जो प्रत्येक शताब्दी में मंगल की ओर 1.8 मीटर झुक जाता है। 5 करोड़ साल में या तो यह मंगल से टकरा जाएगा या फिर टूट जाएगा और मंगल के चारों ओर एक रिंग बिना लेगा।
6. मंगल का एक दिन 24 घंटे से थोड़ा अधिक होता है। यह सूरज की परिक्रमा 687 दिन में करता है। मंगल और धरती करीब 2 साल में एक–दूसरे के सबसे नज़दीक होते हैं, दोनों के बीच की दूरी तब सिर्फ़ 5 करोड़ 60 लाख किलोमीटर होती है।
7. मार्स ऑर्बिटर मिशन भारत का प्रथम मंगल अभियान है। इस अभियान के तहत पहला मंगलयान मार्स पर 5 नवंबर 2013 को 2 बजकर 38 मिनट पर, मंगल ग्रह की परिक्रमा करने हेतु छोड़ा गया। यह यान आंध्र–प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLU) सी–25 के द्वारा सफ़लतापूर्वक छोड़ा

गया। इस यान का वज़न 1350 कि॰ग्रा॰ तथा इस अभियान की लागत 450 करोड़ रुपये है। 24 सितंबर 2014 को इस यान के मंगल पर पहुँचने के साथ ही भारत विश्व में अपने प्रथम प्रयास में ही सफल होने वाला पहला देश बन गया है।

ख. 1. आर्स 2. लाल 3. बहुत गरमी 4. 1350 कि॰ग्रा॰

ग. 1. मतभेद 2. तापमान 3. सूर्य 4. 1965
5. खाई 6. सूर्य

भाषा ज्ञान

क. 1. विशेषता – विशेष + ता 2. सौरमंडल – सौर + मंडल
3. मतभेद – मत + भेद 4. गुरुत्व – गुरु + त्व
5. खूबसूरत – खूब + सूरत 6. अभियान – अभि + यान

ख. 1. परिक्रमा – प् + अ + र् + इ + क् + र् + अ + म् + आ
2. ग्रह – ग + र् + ह् + अ
3. कारण – क् + आ + र् + अ + ण् + अ
4. हिस्सा – ह् + इ् + स् + स् + आ
5. तात्पर्य – त् + आ + त् + प् + र् + य् + अ
6. गुरुत्व – ग् + उ + र् + उ + त् + व् + अ
7. ज्वालामुखी– ज् + व् + आ + ल् + आ + म् + उ + ख् + ई
8. सफ़लता – स् + अ + फ़ + अ + ल् + अ + त् + आ
9. तापमान – त + आ + प् + अ + म् + आ + न् + अ

ग. 1. रंग – रंगों 2. दिन – दिनों
3. यात्रा – यात्राएँ 4. नदी – नदियाँ
5. वैज्ञानिक – वैज्ञानिकों 6. खनिज – खनिजों
7. उपकरणों – उपकरण 8. आँकड़ा – आँकड़े

घ. 1. ग्रह – सौरमंडल में आठ ग्रह हैं।
2. परिक्रमा – सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते हैं।
3. अभियान – मार्स ऑर्बिटर मिशन भारत का प्रथम मंगल अभियान है।
4. सफ़लता – मेहनत ही सफ़लता की कुंजी है।
5. रेगिस्तान – रेगिस्तान में पानी नहीं होता है।
6. मतभेद – हमें आपस में मतभेद नहीं रखना चाहिए।

ङ. स्वयं करें।

च. 1. पोलर कैप्स 2. अनल 3. ऑक्साइड

रचनात्मक ज्ञान

क. मंगल ग्रह आठ ग्रहों में से एक है। इसका रंग लाल होता है।

ख. सौरमंडल में आठ ग्रह है – बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

ङ. स्वयं करें।

15 बाल-वर्णन

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. श्री कृष्ण नंद और यशोदा के पुत्र थे।
2. माँ यशोदा श्री कृष्ण से दूर खेलने नहीं जाने को कहती हैं।
3. कृष्ण नंद बाबा और अपने भैया की कसम खा रहे हैं, कि वे दूर खेलने नहीं जाएँगे।
4. रैता, पैता, मना, मनसुखा और हलधर।
5. श्री कृष्ण बाल-रूप में आँगन में चलते हुए बहुत ही नटखट और लीलामयी लग रहे हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. श्री कृष्ण नंद को बाबा और बलदाऊ को भैया कहकर पुकारते थे।
2. श्री कृष्ण की लीलाओं को देखकर घर-घर बधाइयाँ बजती हैं।
3. दूसरे पद में कवि बताते हैं, कि एक बार श्री कृष्ण माखन खाते-खाते रूठ जाते हैं और रूठते भी ऐसे हैं, कि रोते-रोते नेत्र लाल हो गए। भौंहें वक्र हो गईं और बार-बार जंभाई लेने लगे। कभी वे घुटनों के बल चलते थे, जिससे उनके पैरों में पड़ी पैंजनिया में से रुनझुन स्वर निकलते थे। घुटनों के बल चलकर ही उन्होंने सारे शरीर को धूल-धूसरित कर लिया। कभी श्रीकृष्ण अपने ही बालों को खींचते और नैनों में आंसू भर लाते। कभी तोतली बोली बोलते, तो कभी तात ही बोलते। सूरदास कहते हैं, कि श्रीकृष्ण की ऐसी शोभा को देखकर यशोदा उन्हें एक पल भी छोड़ने को न हुई अर्थात् श्रीकृष्ण की इन छोटी-छोटी लीलाओं में उन्हें अद्‌भुत रस आने लगा।
4. श्री कृष्ण गाय चराने के लिए जाने की ज़िद कर रहे थे।
5. श्री कृष्ण वट के वृक्ष के पास खेलने की ज़िद कर रहे थे।
6. बालक कृष्ण भात और दही खाने की बात कर रहे हैं।
7. सूरदास के पद के अनुसार श्री कृष्ण बालपन से ही लीलाएँ दिखाकर लोगों को अंचभित कर रहे थे। उनकी लीलाएँ इतनी अनोखी होती थीं, कि माँ यशोदा उनसे अधिक देर तक नाराज़ नहीं रह सकती थीं।

ख. 1. बाल-कृष्ण 2. सूरदास

ग. 1. कहन लागे मोहन मैया-मैया।
नंद महर सौ बाबा-बाबा, अरु हलधर सौं भैया।
ऊँचे चढ़ि-चढ़ि कहत जसोदा, लै-लै नाम कन्हैया।
दूरि खेलन जनि जाहु लला रे, मारैगी काहू की गैया।
गोपी ग्वाल **करत कौतूहल, घर-घर बजत बधैया।**
सूरदास प्रभु तुम्हरें दरस कौं, चरननि की बलि जैया।।

2. मैया हौं गाइ चरावन जैहों।
तू कहि महर नंद बाबा सौं, बड़ों भयो न डरैहों।
रैता, पैता, मना, मनसुखा, हलधर संगहि रैहों।

बंसी बट पर ग्वालिन कैं संग, खेलत अति सुख पैहों।
ओदन भोजन दै दधि-कॉवरि, भूख लगे तै खैहों।
सूरदास है साखि साबुन-जल सौंह देहु जु नहैहों॥

घ. एक बार श्रीकृष्ण माखन खाते-खाते रूठ गए और रूठे भी ऐसे, कि रोते-रोते नेत्र लाल हो गए। भौंहें वक्र हो गईं और बार-बार जंभाई लेने लगे। कभी वह घुटनों के बल चलते थे जिससे उनके पैरों में पड़ी पैंजनिया में से रुनझुन स्वर निकलते थे। घुटनों के बल चलकर ही उन्होंने सारे शरीर को धूल-धूसरित कर लिया। कभी श्रीकृष्ण अपने ही बालों को खींचते और नैनों में आंसू भर लाते। कभी तोतली बोली बोलते, तो कभी तात ही बोलते। सूरदास कहते हैं कि श्रीकृष्ण की ऐसी शोभा को देखकर यशोदा उन्हें एक पल भी छोड़ने को न हुईं अर्थात् श्रीकृष्ण की इन छोटी-छोटी लीलाओं में उन्हें अद्‌भुत रस आने लगा।

भाषा ज्ञान

क.

1.	कौतूहल	–	उत्सुकता	2.	दरस	–	दर्शन
3.	अरुन	–	लाल	4.	गत	–	शरीर
5.	तोतर	–	तोतली	6.	निरखि	–	देखकर
7.	निमिष	–	आँख की पलक झपकाना	8.	संगहि	–	साथ

ख.

1.	अरु	–	अरून	2.	मारैगी	–	मारेगी
3.	बधैया	–	बधाई	4.	जँभात	–	जंभाई
5.	बोलत	–	बोलता	6.	तजत	–	छोड़ना
7.	जैहों	–	जहाँ	8.	सौंह	–	सो

ग. स्वयं करें।

घ.
1. दोनों अपने-अपने घर चले गए।
2. तुम्हारी कक्षा में कितने बच्चे हैं?
3. मैं मेहनत करता हूँ।
4. आन्या, रेशमा और मोहित खेल रहे हैं।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

16 आप भले तो जग भला

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. काँच के महल में कुत्तों ने अपने ही चेहरे को देखा।
2. पहला कुत्ता शीशे में अपने चेहरे को देखकर डर गया। उसने सोचा कि सब कुत्ते उस पर टूट पड़ेंगे और उसे मार डालेंगें। अपनी शान दिखाने के लिए वह भौंकने लगा। परंतु दूसरा कुत्ता डरा नहीं, प्यार से उसने अपनी दुम हिलाई। सभी कुत्तों की दुम हिलती हुई दिखाई दी। वह खूब खुश हुआ और कुत्तों की ओर अपनी पूँछ हिलाता हुआ बढ़ा।

3. लेखक के अनुसार दुनिया काँच के महल जैसी है। अपने स्वभाव की छाया ही आप पर पड़ती है।
4. लेखक ने अपने मित्र की गलती बताई, कि वे दूसरों का दृष्टिकोण समझने की कोशिश नहीं करते। दूसरों के विचारों की, कामों की, भावनाओं की आलोचना करना ही अपना परम धर्म समझते हैं। उनका शायद यह ख़्याल है, कि ईश्वर ने उन्हें लोगों को सुधारने के लिए ही भेजा है। पर वे यह भूल जाते हैं, कि शहद की एक बूंद ज़्यादा मक्खियों को आकर्षित करती है, बजाय एक सेर ज़हर के।
5. बापू हँसकर मीठी चुटकियाँ लेकर और अपना प्रेम दर्शाकर लोगों की आलोचना करते थे।
6. अमेरिकी लेखक इमर्सन को गायें पालने का शौक था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. अब्राहम लिंकन ने अपनी सफ़लता का रहस्य बताया, 'मैं दूसरों की अनावश्यक नुक्ताचीनी कर उनका दिल नहीं दुखाता और दुश्मनों को खत्म करने का तरीका उनको दोस्त बनाना है।'
2. अगर हम अपने को ही सुधारने का प्रयत्न करें और दूसरों के अवगुणों पर टीका-टिप्पणी करना बंद कर दें, तो हमारे मित्र जैसा हमारा हाल कभी नहीं होगा। हमारा जीवन सुखी होगा।
3. अगर निंदक त्रुटियों की ओर हमारा ध्यान खीचंता है, तो हमारा कर्त्तव्य उन अवगुणों को दूर करना हो जाता है।
4. गाँधी जी ने सरदार पृथ्वी सिंह को आश्रम में रहने के लिए कहा, क्योंकि वे जानना चाहते थे, कि उसने अहिंसा का पाठ सचमुच सीख लिया है।
5. बूढ़ी नौकरानी अपना अँगूठा बछड़े के मुँह में प्यार से डालकर उसे झोपड़ी की तरफ़ ले गई।
6. लेखक के मित्र का रसोइया बिना बताए घर से चला गया, क्योंकि सुबह से शाम तक उसे डाँट खानी पड़ती थी।

ख. 1. काँच का 2. भला 3. आसान 4. गायें

ग. 1. सुधारने 2. गलतियाँ 3. हलका 4. भौंकते
5. दृष्टिकोण

घ. 1. इस पंक्ति का अर्थ है कि शहद की एक बूंद ज़्यादा मक्खियों को आकर्षित करती है। संसार की चमक-धमक लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है और सादे सात्विक जीवन से लोग दूर भागते हैं।
2. लेखक इस पंक्ति द्वारा कहना चाहता है, कि लोग दूसरों की गलतियों पर ज़्यादा ध्यान देते हैं और अपनी गलतियों को नज़रअंदाज़ करते हैं।
3. इन पंक्तियों द्वारा लेखक कहना चाहता है, कि यदि हम दूसरों की गलतियाँ देखते रहेंगे, तो दूसरे भी केवल हमारी गलतियों को ही देखेंगे। हम उनके ऐबों को निकालते रहेंगे तो वे भी हमारी अच्छाई नहीं देखना चाहेंगे।

भाषा ज्ञान

क. 1. अकर्मक 2. सकर्मक 3. सकर्मक 4. सकर्मक

ख.

1.	काँच	विशाल ✓	महल	कुत्ता
2.	नज़र	उधर	शक्ल	शान ✓
3.	आवाज़ ✓	दिल	भौंका	कान

4. मित्र — हमेशा ✓ — किस्सा — दाया
5. आप ✓ — दोष — प्रेम — शत्रु

ग. स्वयं करें।

घ.
1. अशिष्ट – अशिष्टता
2. प्रसन्न – प्रसन्नता
3. सफ़ल – सफ़लता
4. महान – महानता
5. कटु – कटुता
6. दृढ़ – दृढ़ता
7. अज्ञान – अज्ञानता
8. सुगम – सुगमता
9. विनम्र – विनम्रता
10. चपल – चपलता

ङ.
1. आगे – पीछे
2. इधर – उधर
3. संतोष – असंतोष
4. दाएँ – बाएँ
5. परीक्षक – अपरीक्षक
6. आना – जाना
7. चल – रुक
8. भिन्न – अभिन्न

च.
1. पढ़ना – पढ़ाना
2. सफ़ल – सफ़लता
3. मूर्ख – मूर्खता
4. महान – महानता
5. प्रसन्न – प्रसन्नता
6. अशिष्ट – अशिष्टता
7. बुरा – बुरापन
8. परेशान – परेशानी
9. चिड़चिड़ा – चिड़चिड़ाहट
10. भला – भलाई

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

17 महामना मदन मोहन मालवीय

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. असहयोग आंदोलन ने उत्तर प्रदेश के चौरी-चौरा नामक स्थान की हिंसात्मक घटना को उद्‌वेलित कर दिया, तो महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।
2. मालवा के मूल निवासी होने के कारण मदन मोहन मालवीय कहलाए।
3. काशी हिंदू विश्वविद्‌यालय के संस्थापक मदन मोहन मालवीय थे। इसकी स्थापना 1916 में हुई।
4. सर सुंदरलाल एवं राजा रामपाल की प्रेरणा से उन्होंने वकालत की पढ़ाई की। वे इस व्यवसाय में सोलह वर्षों तक रहे।
5. महामना मदन मोहन जी के पिता का नाम प॰ ब्रजनाथ तथा माताजी का नाम मूनादेवी था।

6. प्लेग प्रयाग में फैला जिसके कारण लोगों की मृत्यु होने लगी।
7. स्वामी श्रद्धानंद और मोती लाल नेहरू से मालवीय जी का परिचय म्योर सेंट्रल कॉलेज में हुआ।

लिखित अभिव्यक्ति

1. प॰ मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसंबर 1861 ई. में इलाहाबाद में हुआ था।
2. प॰ मदन मोहन मालवीय ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इलाहाबाद में ही गुरु हरदेव की पाठशाला से प्राप्त की।
3. 1884 से मालवीय जी ने अपना अध्यापन कार्य आरंभ किया था।
4. मालवीय जी कांग्रेस पार्टी से असहयोग आंदोलन के समय मिले। इस दौरान वे परतंत्र भारतीयों की प्रतिनिधि-राजनीतिक संस्था कांग्रेस से जुड़े हुए थे।
5. 1928 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में खुलेआम भाग लेने पर उन्हें 6 वर्ष की जेल की सज़ा हुई। 1931 के करॉंची-अधिवेशन में मालवीय जी ने भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को फाँसी दिए जाने के खिलाफ़ प्रस्ताव रखा तथा इन महान सपूतों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की। महामना को स्वतंत्रता-आंदोलन के दौरान कई बार जेल की यात्राएँ करनी पड़ीं। सन् 1932 में कांग्रेस के दिल्ली-अधिवेशन में भाग लेने आ रहे मालवीय जी यमुना पुल के निकट अंग्रेज़ी हुकूमत द्वारा बंदी बना लिए गए। सन् 1923 ई. के अधिवेशन के पूर्व आसनसोल के निकट उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया। इस तरह वे 1886 ई. से लेकर 1936 ई. तक कांग्रेस के अधिवेशनों एवं स्वतंत्रता-आंदोलनों में बढ़-चढ़कर भाग लेते रहे।
6. एक संपूर्ण भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने के उद्देश्य से वे लोगों से महादान ग्रहण करने झोली फैलाकर निकल पड़े।
7. मालवीय जी हिंदी भाषा के अनन्य सेवक थे।

ख. 1. वकालत 2. आदित्य भट्टाचार्य
3. 1907 4. 12 नवंबर 1946

ग. 1. धर्मपरायण 2. कॉलेज 3. वकीलों
4. प्रयाग 5. 1918 6. काशी नरेश

भाषा ज्ञान

क. 1. मनोयोग – मनः + योग
2. मनोहर – मनः + हर
3. यशोदा – यः + शोदा
4. सरोवर – सरः + वर
5. मनोज – मनः + ओज

ख. 1. इलाहाबाद – इ + ल् + आ + ह् + आ + ब् + आ + द् + अ
2. स्वतंत्रता – स् + अ + व् + अ + त् + त् + अं + त्र + अ + त् + आ
3. ख़्याति – ख् + अ + य् + आ + त् + इ
4. प्रतियोगिता – प् + र् + त् + इ + य् + ओ + ग् + इ + त् + आ
5. स्नातक – स् + अ + न् + आ + त् + अ + क् + अ

ग. स्वयं करें।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

18 सच्चा दोस्त

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. निर्मल का स्वभाव बहुत ही अच्छा था। वह दूसरों की सहायता करने में हमेशा आगे रहता था।
2. शहर जाकर डॉक्टर को दिखाने के लिए उसके पास पैसे नहीं थे, इसलिए वह शहर नहीं जा रहा था।
3. निर्मल ने अपने दोस्त के लिए महाजन से पैसे कर्ज़ में लिए थे।
4. अपने मित्र के इलाज के लिए महाजन से पैसे उधार लेने के लिए निर्मल के पिता क्रोधित हुए।

लिखित अभिव्यक्ति

1. निर्मल के पिता कंजूस थे।
2. कमल की आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय थी।
3. कमल का दोस्त उससे मिलने आया तो बुखार में कराहता हुआ नज़र आया।
4. निर्मल के पिता ने कहा, 'कहीं तुम पागल तो नहीं हो गए? मेरे पास इतना धन नहीं है कि खैरात बाँटता फिरूँ।'
5. निर्मल ने दोस्त के इलाज के लिए महाजन से पैसे उधार लिए।
6. निर्मल को जब पूरी बात मालूम हुई, तो उसने अपने पिता को बताया कि उसने अपने दोस्त के इलाज के लिए पैसे उधार लिए थे।
7. निर्मल और कमल की पक्की दोस्ती को देखकर कंजूस भूषण ने कंजूसी छोड़ दी और ज़रूरतमंदों की सहायता करने लगा।

ख. 1. विपरीत 2. कमल 3. चार 4. महाजन

ग. 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. हाँ 6. नहीं

घ. 1. कमल 2. अनाथ 3. फ़ायदा 4. पाँच सौ 5. मुश्किल

भाषा ज्ञान

क. 1. हम खेल रहे हैं।
2. मैं पढ़ाई कर रहा हूँ।
3. मुझे भूख लगी है।
4. हम कल पहुँचेंगे।

ख. 1. बाल्यकाल – श्रीकृष्ण का बाल्यकाल बहुत चमत्कारी था।
2. सहपाठी – कमल मेरा सहपाठी है।
3. अव्वल – निर्मल के पिता अव्वल कंजूस हैं।
4. अनाथ – कमल अनाथ था।
5. ऋणी – मैं सदा तुम्हारा ऋणी रहूँगा।

ग. 1. निर्धन 2. गाँव 3. अस्वस्थ 4. दुरुपयोग
5. मुश्किल

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

प्रश्न पत्र-1

पढ़िए

क. 1. i) ✓ ii) ✓ iii) ✗ iv) ✓ v) ✗
2. i) दिवाली कार्तिक मास की अमावस्या के दिन मनाया जाता है।
ii) दिवाली के दिन चारों ओर खुशहाली छाई रहती है।
iii) पटाखे छोड़ने से वायु-प्रदूषण बढ़ता है।
iv) दिवाली धार्मिक त्योहार है।
v) दिवाली के दिन लोग घर-घर में दीप जलाते हैं। लोग एक-दूसरे को कुछ-न-कुछ भेंट देते हैं। खील और बताशे खरीदकर बाँटे जाते हैं। घरों में अच्छे-अच्छे पकवान बनते हैं। लोग नए-नए वस्त्र पहनते हैं।

व्याकरण

ख. 1. जगदीश – परमात्मा विधाता 2. पृथ्वी – जग भू
3. निशि – रात्रि रजनी 4. राकेश – निशापति चंद्रमा
5. भानु – सूर्य राजा

ग. 1. सनतुष्ट – संतुष्ट 2. बिशय – विषय
3. रोसनी – रोशनी 4. सम्मान – सम्मान

घ. 1. जिसके समान कोई दूसरा न हो – असमान
2. जिसे क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य
3. जिसकी उपमा न दी जा सके – अनुपम
4. जिस पर विश्वास किया जा सके – विश्वसनीय

ङ. 1. पौधे – पौधा 2. घड़ियाँ – घड़ी
3. तितली – तितलियाँ 4. लकड़ी – लकड़ियाँ

च. 1. आवारा – पालतू 2. शहरी – ग्रामीण
3. बुरी – अच्छी 4. मैला – साफ़

छ. 1. शर्त – मुझे तुम्हारी हर शर्त मंज़ूर है।
2. उत्सव – इस उत्सव में हम सब खुशियाँ मनाएँगे।
3. संतुष्ट – हमें हर हाल में संतुष्ट रहना चाहिए।
4. मस्तक – बड़ों के आगे हमें मस्तक झुकाना चाहिए।

ज. 1. गा + ना = गाना 2. सीख + ना = सीखना
3. जग + ना = जगना 4. बढ़ + ना = बढ़ना
5. बह + ना = बहना 6. पढ़ + ना = पढ़ना

लेखन

झ. परिश्रम ही सफ़लता की कुंजी है

परिश्रम वह कुंजी है, जो सफ़लता के द्वार खोलती है। इतिहास गवाह है, कि बिना परिश्रम किए आज तक कोई ऊँचाई पर नहीं पहुँचा है। महान वैज्ञानिक कलाम साहब, हरगोबिंद खुराना, जे॰ सी॰ बोस॰ रमन आदि हो या मशहूर खिलाड़ी मेजर ध्यान चंद, सचिन तेंदुलकर, विश्वनाथन आंनद आदि सभी की सफ़लता का राज कठिन परिश्रम है और सतत् अभ्यास है। इस शीर्ष तक पहुँचने के लिए उन्होनें निजी स्वार्थ और भौतिकवाद का त्याग किया, तब वे देश को ये सम्मान दिला पाए और स्वयं एक मिसाल बने। प्रसिद्ध कविता है, 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।' एक चींटी तक प्रयास नहीं छोड़ती। कभी निराश नहीं होती, थकती नहीं तो हम तो मनुष्य हैं, जिन्हें ईश्वर ने बुद्धि प्रदान करके सबसे श्रेष्ठ बनाया है। प्रसिद्ध लेखक शिव खेड़ा ने लिखा है, कि जीतने वाले कोई अलग काम नहीं करते, वे उसी काम को अलग ढंग से करते हैं। उदाहरण के लिए परीक्षा में लाखों विद्यार्थी बैठते हैं, पर टॉप थोड़े ही करते हैं। पाठ्यक्रम और पुस्तकें सभी एक जैसी हैं, पर परिश्रम परिणाम बदल देता है। जो नियमित अभ्यास करता है, रात-दिन मेहनत करता है कि सफ़लता उसे ही चुनती है। 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान' यह उक्ति उनके लिए प्रेरणास्त्रोत है, जो स्वयं अपने भाग्य निर्धारक होते हैं। अत: सभी को यह स्मरण रखना चाहिए, कि मेहनत सफ़ल होने का प्रथम सोपान भी है और भावी निर्धारक भी।

पाठों से

ञ. 1. इधर-उधर 2. गर्दन 3. जीत 4. उपहार 5. हरकत

ट. इन पंक्तियों द्वारा कवि यह कहना चाहता है कि धरती माँ मुझे एक मौका दो, तुम्हारा कर्ज़ चुकाने का, अपने इस बेटे से जो तुम माँगो, अपना सर काट कर समर्पित कर देगा। यह क्रांतिकारी मातृभूमि भारत माता का भक्त है। जय-जय प्यारा भारत देश।

ठ. 1. अशोक ने संवाददाता से कहा। 2. संवाददाता ने अशोक से कहा।
3. पद्मा ने अशोक से कहा। 4. अशोक ने पद्मा से कहा।
5. महात्मा बुद्ध ने अशोक से कहा।

ड. 1. युद्ध के जीत के अवसर पर राजा कृष्णदेव को मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को पुरस्कार देने की इच्छा हुई।
2. मेंहदी से हमें सब पर अपना रंग चढ़ाना सीखना चाहिए।
3. जो पानी हम प्रयोग करते हैं, वह सारा पानी नालियों में बहकर पुन: ज़मीन में नहीं जाता

क्योंकि उस पानी का काफ़ी हिस्सा तो तुरंत वाष्प बनकर उड़ जाता है। जो पानी गड्ढों आदि में एकत्रित होता है वह सड़कर प्रदूषित हो जाता है और जो थोड़ा बहुत पानी रिस-रिस कर पृथ्वी के अंदर जाता है, वह ऊपरी सतह में ही रहता है।

4. 25 जून, 1783 को फ्रांस के वैज्ञानिक 'एडाटन लारेट लेवोइजे' ने पानी का रासायनिक विश्लेषण किया और घोषणा की, कि पानी हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैसों से मिलकर बना है। हाइड्रोजन के दो परमाणु मिलकर साधारण पानी का एक अणु बनाते हैं। यह सभी जीवधारियों के लिए अनिवार्य है।
5. अपने पुत्र की गलतियों के कारण सुबल चंद्र मोहल्ले के लोगों से माफ़ी माँगते थे।

प्रश्न पत्र-2

पढ़िए

क. 1. i) एक ii) कार्टून

2. i) फिल्मों ii) निजी iii) खेती
3. i) किसानों के लिए टेलीविज़न पर खेती के कार्यक्रम दिखाए जाते हैं।
   ii) अधिक टेलीविज़न देखने से हमारी आँखों को भी नुकसान पहुँचता है।
   अधिक टेलीविज़न देखने वाले बच्चे खेल और पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं।

व्याकरण

ख. 1. धार्मिक स्थल 2. दुधारू पशु 3. जंगली पशु
4. जलाशय 5. सौरमंडल

ग. 1. असमान 2. ईर्ष्यालु 3. उपकारी
4. दुर्गम 5. विश्वसनीय

घ.

	शब्द		उपसर्ग	मूलशब्द		शब्द		उपसर्ग	मूलशब्द
1.	अवतरण	–	अव	तरण	2.	अनिच्छा	–	अन्	इच्छा
3.	अन्यथा	–	अन्य	था	4.	उपकार	–	उप	कार
5.	उपदेश	–	उप	देश	6.	नासमझ	–	ना	समझ

ङ. 1. आश्चर्यचकित – जादूगर ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।
2. अनुभव – यहाँ पर सभी अनुभवी लोग बैठे हैं।
3. विश्वास – मुझे तुम पर पूरा विश्वास है।
4. स्वेच्छा – मैं अपनी स्वेच्छा से विदेश जाना चाहती हूँ।
5. सहमति – हमें कोई भी कार्य सभी की सहमति से करना चाहिए।

लेखन

च. "बढ़ती हुई जनसंख्या पूरे विश्व की समस्या है।"

हमारा देश इस समय कई समस्याओं से जूझ रहा है। अगर गौर करें तो पायेंगे, कि जनसंख्या में वृद्धि इन सभी समस्याओं का मूल कारण हैं। बेरोजगारी हो या भ्रष्टाचार, अराजकता हो या आतंकवाद, निरक्षरता हो या फिर सामाजिक समस्यायें जनसंख्या कम हो जाने पर यह स्वयमेव हल हो जायेंगी।

भारत की जनसंख्या में तीव्रता से वृद्धि होने के कारण आज हमारा देश एक अरब के आंकड़े को पार कर गया है। विश्व में चीन के बाद भारत जनसंख्या के आधार पर दूसरे स्थान पर है।

जनसंख्या में होने वाली इस बेहिसाब वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। हमारे यहाँ शिक्षा का अभाव है। लोग अज्ञानतावश परिवार नियोजन का महत्त्व नहीं समझ पाते। आज चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार सुधार हुआ है एवं शिशु मृत्युदर में कमी आयी है। उससे भी जनसंख्या में वृद्धि हुई है। भारत में विवाह छोटी आयु में होते हैं। यहाँ की जलवायु गर्म है व प्रजनन के अनुकूल है। हमारे यहाँ विवाह करना भी ज़रूरी समझा जाता है। परिवार में लड़का होना ज़रूरी समझने के कारण लड़कियों की लाइन लगा दी जाती है। इन सभी कारणों से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण आज स्वतंत्रता प्राप्ति के 50 दशक के बाद भी भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे है। उन्हें उन्नति एवं देश के विकास का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा। निरक्षरता एवं कुपोषण की समस्या से छुटकारा नहीं मिल रहा। भुखमरी, निर्धनता, बेकारी, भिक्षावृत्ति तथा अन्य सामाजिक व आर्थिक बुराईयों से छुटकारा तभी मिलेगा जब हम अपनी जनसंख्या पर नियंत्रण रखेंगे, अन्यथा हम विकास एवं प्रगति से होने वाले लाभों से वंचित रह जायेंगे।

जनसंख्या पर नियंत्रण के लिये परिवार नियोजन के कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करना होगा, उन्हें लोकप्रिय बनाना होगा और आम जनता को शिक्षित बनाना होगा। सरकार को कम संतान उत्पन्न करने वाले दम्पतियों को सम्मानित करना चाहिए या कोई पुरस्कार देना चाहिए, जिससे लोग प्रोत्साहित होकर संतान उत्पत्ति में कमी लाएँ।

पाठों से

छ. 1. गरीब 2. पुत्री की शादी की 3. तालाब के किनारे
4. दोनों 5. कलियुग की

ज. 1. विश्वास 2. अमीर 3. मैंने 4. 1965 5. भारत

झ. 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

ञ. 1. राजेन्द्र प्रसाद का रहन-सहन सीधा-सादा था।

2. मार्क शब्द ग्रीक शब्द आर्स से लिया गया है।

3. मंगल ग्रह के दो चाँद है - फोबोस और डेमोस। अन्य शब्दों में अगर हम कहें, तो यहाँ दो चाँद हैं, जबकि हमें एक ही चाँद देखने को मिलता है। डेमोस से फोबोस थोड़ा बड़ा है, जो कि सतह से केवल 6 हजार किलोमीटर ऊपर परिक्रमा करता है फोबोस धीरे-धीरे मंगल की ओर झुक रहा है, जो प्रत्येक शताब्दी में मंगल की ओर 1.8 मीटर झुक जाता है। 5 करोड़ साल में या तो यह मंगल से टकरा जाएगा या फिर टूट जाएगा और मंगल के चारों ओर एक रिंग बिना लेगा।

4. श्री कृष्ण की लीलाओं को देखकर घर-घर बधाइयाँ बजती हैं।

5. अब्राहम लिंकन ने अपनी सफ़लता का रहस्य यह बताया कि, "मैं दूसरों की अनावश्यक नुक्ताचीनी कर उनका दिल नहीं दुखाता और दुश्मनों को खत्म करने का तरीका उनको दोस्त बनाना है।"